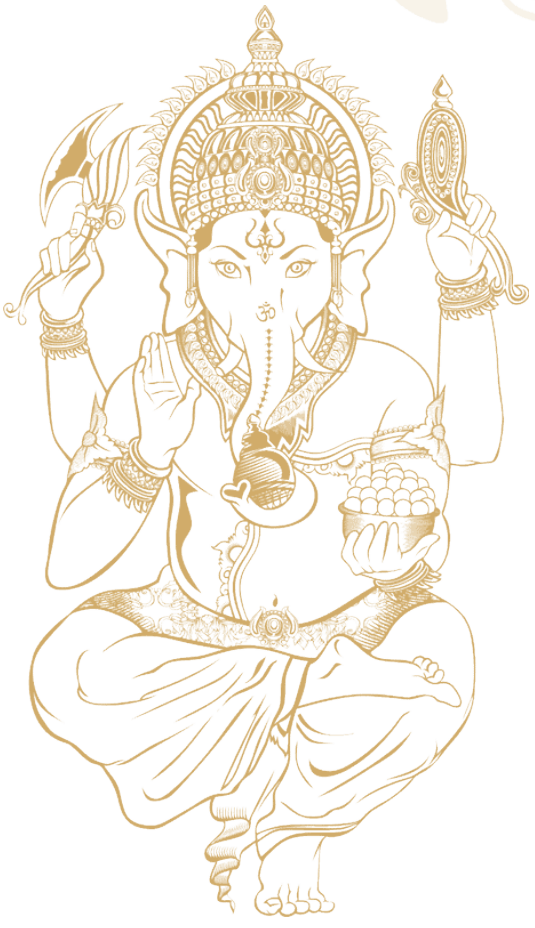

Vishal Sharma

Kritika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121317104

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
12-13/09/1998 :	जन्म तिथि	: 05/06/1999
शनि-रविवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 03:01:00 :	जन्म समय	: 21:30:10 घंटे
घटी 52:11:34 :	जन्म समय(घटी)	: 39:52:06 घटी
India :	देश	: India
Baran :	स्थान	: Baran
25:08:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:08:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36 :	स्थानिक संस्कार	: -00:23:36 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:08:22 :	सूर्योदय	: 05:33:19
18:30:05 :	सूर्यास्त	: 19:10:49
23:50:11 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:44

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 6वर्ष 9मा 23दि		13:45:00	कर्क	लग्न	धनु	23:52:39	मंगल 2वर्ष 2मा 24दि	
गुरु		26:04:21	सिंह	सूर्य	वृष	20:42:35	गुरु	
07/07/2023		23:41:10	वृष	चंद्र	कुंभ	02:24:34	30/08/2019	
07/07/2039		20:52:29	कर्क	मंगल	तुला	00:36:55	30/08/2035	
गुरु	24/08/2025	14:40:00	सिंह	बुध	मिथु	03:30:18	गुरु	17/10/2021
शनि	07/03/2028	29:38:54	कुंभ व	गुरु	मेष	02:04:51	शनि	30/04/2024
बुध	13/06/2030	13:41:46	सिंह	शुक्र	कर्क	05:55:47	बुध	06/08/2026
केतु	20/05/2031	09:07:03	मेष व	शनि	मेष	17:44:36	केतु	13/07/2027
शुक्र	18/01/2034	07:30:56	सिंह व	राहु	कर्क	20:51:19	शुक्र	13/03/2030
सूर्य	06/11/2034	07:30:56	कुंभ व	केतु	मक	20:51:19	सूर्य	30/12/2030
चन्द्र	07/03/2036	15:29:11	मक व	हर्ष व	मक	22:51:39	चन्द्र	30/04/2032
मंगल	11/02/2037	05:46:02	मक व	नेप व	मक	10:17:35	मंगल	06/04/2033
राहु	07/07/2039	11:40:16	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	15:07:55	राहु	30/08/2035

लग्न-चलित

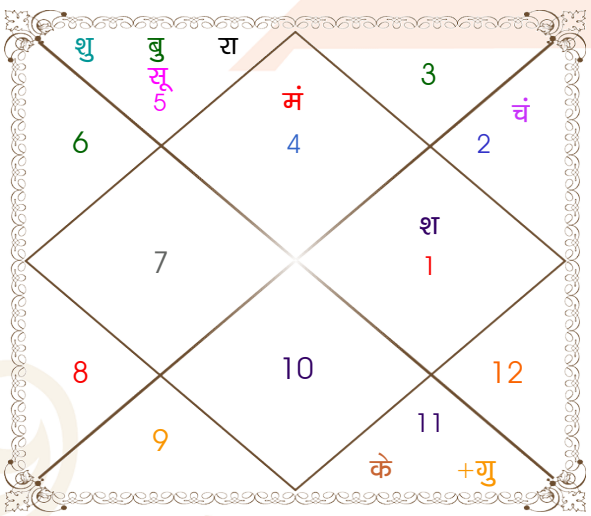

लग्न-चलित

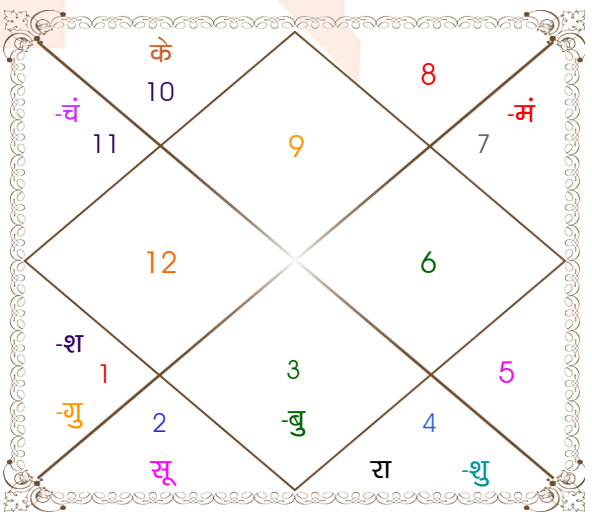

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि टपींसौंतउं का नक्षत्र मृगशिरा है।

टपींसौंतउं का वर्ग मृग है तथा ज्ञतपजपां का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपींसौंतउं और ज्ञतपजपां का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

टपींसौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल टपींसौंतउं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्ञतपजपां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ज्ञतपजपां कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टर्पोंसौंतउं तथा ज्ञतपजपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।